"Meeting Minutes"

दिनांक 28 जुलाई, 2023 को गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के "Department of Indian and Foreign Languages" विभाग के अन्तर्गत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम०ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर और एम०ए० (हिन्दी) व्यावसायिक एवं संचार कौशल प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के संशोधित रूप पर चर्चा हुई। यह चर्चा "National Education Policy – 2020" पर आधारित नवीन संशोधनों को ध्यान में रखकर की गई। मीटिंग की शुरूआत ऑनलाइन माध्यम के द्वारा प्रातः 11:00 बजे हुई जो दोपहर 2:00 बजे तक चली।

मीटिंग में 'Board of Studies' के प्रमुख सदस्य, बाहरी विशेषज्ञ एवं परामर्शदाता के रूप में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे –

प्रो० (डॉ०) राकेश कुमार योगी	– **अध्यक्ष।**
प्रो० पूरन चन्द टण्डन	– **बाहरी विशेषज्ञ (Outside expert)**
डॉ० पुष्पा अंतिल	– **सदस्य**
डॉ० अशोक कुमार	– **सदस्य**
डॉ० सीमा चौधरी	– **सदस्य**

मीटिंग में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा की गई – (क) विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर एम०ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर और एम०ए० (हिन्दी) व्यावसायिक एवं संचार कौशल प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम पर विशद चर्चा कर, अन्तिम रूपरेखा प्रदान की गई। (ख) एम०ए० (हिंदी) द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अनेक बिन्दुओं पर चर्चा कर पाठ्यक्रम संशोधन पर विभिन्न सुझाव रखे गए। (ग) आगामी परिवर्तनों तथा भविष्य में होने वाली मीटिंग के प्रमुख बिन्दुओं की रूपरेखा तय की गई।

प्रो० (डॉ०) राकेश कुमार योगी
(Dean, Department of Indian and Foreign Languages)

Joined to Google meet code JWZ-EFFT -MVD
प्रो० पूरन चन्द टण्डन
बाहरी विशेषज्ञ (Outside Expert)

डॉ० पुष्पा अंतिल
सदस्य

डॉ० अशोक कुमार
सदस्य

डॉ० सीमा चौधरी
सदस्य

INDIAN AND FOREIGN LANGUAGE

एम . ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

	Title	Credits
1. Core Course		
CC101	आधुनिक हिंदी कविता -I	4
CC102.	हिंदी साहित्य का इतिहास	4
CC103.	भाषा-विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4
2. General Elective Course		
GEC104	नाटक और रंगमंच / हिंदी उपन्यास साहित्य	4
One from pool of Course		
3. Ability Enhancement Course		
AEC105.	सामान्य अंग्रेज़ी संचार I	2
One from pool of course		
4. Skill Enhancement Course		
SEC106.	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल - I	2
One from pool of Course		
5. Value Addition Course		
VAC107		
(One from pool of Course)	हिंदी काव्य :राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना	2
		22

रवि कुमार

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

आधुनिक हिंदी कविता – 1

(Core – 101)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित – 70

Course Objective –

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान

आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप

Course Learning outcomes :

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन।

क पाठ्य विषय

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम् सर्ग)

2 जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)

3 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया है, संध्या सुन्दरी, मैं अकेला, तोड़ती पत्थर, बादल राग प्रथम खंड

4 रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र षष्ठम् सर्ग

ख आलोच्य विषय

साकेत : रामकाव्य परम्परा और साकेत, साकेत का महाकाव्यत्व, मैथिलीशरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य।

कामायनी : कामायनी का महाकाव्यत्व, रूपक तत्व, कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ, प्रसाद का सौन्दर्य बोध।

निराला : छायावादी काव्य परम्परा में निराला का स्थान, निराला के काव्य की प्रयोगशीलता, निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्तिपूजा का मूल कथ्य।

कुरूक्षेत्र : उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर, दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि, मूल प्रतिपाद्य

सहायक ग्रंथ

1 मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति आख्याता, डॉ० उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2 मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : डॉ० ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर।

3 साकेत एक अध्ययन : डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

4 संपूर्ण कामायनी (पाठ–अर्थ–समीक्षा) : डॉ० हरिहर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद।

5 निराला की साहित्य साधना : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6 नई कविता की भूमिका : डॉ० प्रेम शंकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

7 छायावादी काव्य और निराला : डॉ० कुमारी शांति श्रीवास्तव, ग्रंथम कानपुर।

रविन्द्र कुमार

8 निराला : डॉ० पदम सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9 निराला और नवजागरण : डॉ० रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर।
10 निराला – डॉ० रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।
11 निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3) भाग – डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली।
12 छायावाद की प्रासंगिकता रमेशचंद्र शाह
13 निराला की साहित्य साधना – डॉ० रामविलास शर्मा तीनों खंड
14 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ० ललन राय, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक।
15 अज्ञेय की काव्य चेतना – डॉ० कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाडा, दिल्ली।
16 दिनकर काव्य का पुनर्मूल्यांकन : डॉ० शम्भु नाथ

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।
2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।
4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

रविन्द्र कुमार

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल)

(Core – 102)
Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective -
हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान
इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।
Course Learning outcomes :
इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी
हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

1. **हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व –पीठिका**
   हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
   साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
   हिंदी–साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण

2 **आदिकाल**
   नामकरण और सीमा
   परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
   आदिकालीन कविता की प्रवृतियाँ
   रासो काव्य – परंपरा
   पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता

3 **भक्तिकाल**
   परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
   भक्ति–आंदोलन
   भक्तिकालीन काव्य–धाराएँ : वैशिष्ट्य और अवदान
   संत काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
   सूफी काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
   राम काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
   कृष्ण काव्य–धारा : वैशिष्ट्य
   भक्तिकाल : स्वर्णयुग

4 **रीतिकाल**
   नामकरण और सीमा
   परिवेश : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
   रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व
   विभिन्न काव्य–धाराओं की विशेषताएँ –
      रीतिबद्ध
      रीतिसिद्ध
      रीतिमुक्त

रविन्द्र कुमार

पठनीय पुस्तकें

1 हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
3 हिंदी साहित्य का भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास--आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संज, दिल्ली।
5 हिंदी साहित्य का इतिहास : सम्पादक – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6 हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद।
8 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ० रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
10 हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० राम सजनपाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
11 हिंदी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ़।
13 हिंदी साहित्य का आदिकाल : डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
14 हिंदी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना।
15 आधुनिक हिंदी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिंदी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिंदी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली।
17 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

रविन्द्र कुमार

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Core 103)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
भाषा विज्ञान की विशिष्ट जानकारी विकसित होगी
भाषा की विशेषताओं और उसके उपांगो का विश्लेषणात्मक ज्ञान होगा
Course Learning outcomes :
भाषा और उसके उपांगों का ज्ञान
भाषा संबंधी विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान

1. **भाषा –**
   - भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
   - भाषा के अध्ययन क्षेत्र
   - भाषा की व्यवस्था और व्यवहार
   - भाषा की संरचना
   - भाषा के अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)

2. **हिंदी भाषा का इतिहास –**
   - प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ (वैदिक एवं लौकिक संस्कृत)
   - मध्य युगीन भारतीय आर्य भाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश)
   - आधुनिक आर्य भाषाएं एवं परिचय
   - आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय : हार्नले और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

3. **हिंदी का विकासात्मक स्वरूप –**
   - हिंदी का उपभाषाएँ – पूर्वी तथा पश्चिमी हिंदी तथा उनकी बोलियाँ
   - मानक हिंदी का स्वरूप
   - काव्य – भाषा के रूप में अवधी का विकास
   - काव्य – भाषा के रूप में ब्रज का विकास।
   - साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास
   - हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

4. **हिंदी का भाषिक स्वरूप –**
   - हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, पुरूष कारक और काल की व्यवस्था के सन्दर्भ में हिंदी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप।
   - हिंदी के विविध रूप : बोली, भाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा।
   - स्वन–परिभाषा एवं वर्गीकरण, स्वनिम– स्वरूप और वर्गीकरण

रविन्द्र कुमार

- वाक्य के प्रकार
  क) रचना की दृष्टि से
  ख) अर्थ की दृष्टि से

5. **नागरी लिपि और हिंदी प्रचार–प्रसार –**
   - नागरी लिपि का नामकरण और विकास
   - नागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानकीकरण
   - नागरी लिपि की विशेषता
   - भाषा विज्ञान और व्याकरण
   - हिंदी प्रचार–प्रसार : प्रमुख व्यक्ति एवं प्रमुख संस्थाओं का योगदान

रविन्द्र कुमार

सहायक ग्रंथ

1 भाषा विज्ञान और मानक हिंदी – डॉ० नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, 4424 नई सड़क, दिल्ली–6, 2004 ई०

2 भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास डॉ० नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, 169, सेक्टर 12, पंचकूला 2006 ई०

3 भाषा और भाषा विज्ञान – डॉ० नरेश मिश्र निर्मल पब्लिकेशंस शाहदरा दिल्ली–94, 2004 ई०

4. भाषा विज्ञान एवं हिंदी – डॉ० नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 2007 ई०

5 हिंदी भाषा – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई०

6 भाषा विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद, 2006 ई०

7 भाषा विज्ञान की भूमिका – प्रो० देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली–2, 2001 ई०

8 हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग 2000 ई०

9 हिंदी : उद्भव विकास और रूप – डॉ० हरदेव बाहरी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद। 1980 ई०

10 सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ० बाबू राम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 1983 ई०

11 व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ० दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना, 2000 ई०

12 आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह – चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियांगज, दिल्ली। 2000 ई०

13 नागरी लिपि – डॉ० नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशंस, शाहदरा, दिल्ली। 2001 ई०

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

रविन्द्र कुमार

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

General Elective – I

विकल्प – I

नाटक एवं रंगमंच

(GEC – 104)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30

लिखित – 70

Course Objective –

हिंदी साहित्य के अन्तर्गत नाटक का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना

विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय, पाश्चात्य और लोक सांस्कृतिक)

Course Learning outcomes :

हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान

प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी

खंड – क

- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन
- हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
- नाटक और रंगमंच का अंतः संबंध
- हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास
- नाटक में दृश्य–श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

खंड – ख

हिंदी रंगमंच, रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक, रंग सज्जा, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, इप्टा, नौटंकी प्रमुख संस्थाएं

खंड – ग

पाठ्य पुस्तकें –

- भारत दुर्दशाः भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- अंधा युग : धर्मवीर भारती
- बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

आलोच्य विषय –

- अंधा युग – नाट्य–काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूलसंवेदना, नामकरण की सार्थकता, प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण।
- बकरी – प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, अभिनेयता।
- भारत दुर्दशा – प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य, अभिनेयता

रवि कुमार

निर्देश –

1 खंड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड ग में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 27 अंक का होगा।

2 खंड ग में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ रहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रतयेक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

3 खंड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरा पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1	रंगमंच	बलवंत गार्गी
2	हिंदी रंगमंच का इतिहास	चंदूलाल दुबे
3	नाटक के रंगमंच प्रतिमान	वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
4	रंगदर्शन	नेमिचंद्र जैन
5	भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास	लक्ष्मीनारायण लाल
6	पारसी हिंदी रंगमंच	लक्ष्मीनारायण लाल
7	आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच	सं. – नेमिचंद्र जैन
8	भारतन्दु की नाट्य कथा	प्रेमनारायण शुक्ल
9	भारतेन्दु युगीन नाटक : संदर्भ सापेक्षता	रमेश गौतम
10	अन्धायुग और भारती के अन्य नाटक प्रयोग	जयदेव तनेजा
11	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्ति और साहित्य	डॉ० कल्पना अग्रवाल
12	हिंदी नाटक चिंतक	डॉ० कुसम कुमार

रवि कुमार

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

General Elective – 2
विकल्प – II

हिंदी उपन्यास साहित्य

(GEC – 104)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
हिंदी उपन्यास का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
हिंदी के प्रमुख उपन्यासों का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य में उपन्यास का विशिष्ट ज्ञान
प्रमुख उपन्यास तथा उपन्यासकारों की समझ विकसित होगी

खंड – क

हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास

- प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास
- प्रेमचंदों युगीन हिंदी उपन्यास
  - सामाजिक उपन्यास
  - मनोवैज्ञानिक उपन्यास
  - ऐतिहासिक उपन्यास
  - आंचलिक उपन्यास
  - समकालीन हिंदी उपन्यास

खंड – ख

- निर्मला – प्रेमचंद
- विराटा की पद्मिनी – वृन्दावनलाल वर्मा
- शेखर की जीवनी (भाग–1) – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय
- मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु

आलोच्य विषय –

- निर्मला – निर्मला में चित्रित नारी समस्याएँ, उपन्यास में अभिव्यक्त नारी संवेदना, प्रेमचंद के उपन्यास में उपस्थित सामाजिक यथार्थ, उपन्यास का उद्देश्य, निर्मला उपन्यास की कथावस्तु

रविन्द्र कुमार

- विराटा की पद्मिनी – उपन्यास की कथावस्तु एवं संरचना, ऐतिहासिकता और सामाजिक वैशिष्ट्य, भाषा शैली और संवाद योजना, उपन्यास की प्रमुख विशेषताएँ, चारित्रिक वैशिष्ट्य
- शेखर की जीवनी (भाग–1)– शेखर एक जीवनी अंर्तवस्तु एवं संरचना, उपन्यास में स्थित मनोवैज्ञानिक आयाम, भाषा एवं शिल्प, उपन्यास की काव्यात्मकता।
- मैला आंचल – हिंदी मे आँचलिक उपन्यास की परम्परा, मैला आँचल–आँचलिक सन्दर्भ, उपन्यास में अभिव्यक्त राजनीतिक एवं सामाजिक सन्दर्भ, मैला आंचल – आँचलिकता के विविध रंग, भाषा और शिल्प चारित्रिक विशेषताएँ।

सहायक पुस्तकें –

1 प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।
2 हिंदी उपन्यास पहचान और परख : डॉ० इंद्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
3 हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा, लोक भारती, इलाहाबाद।
4 हिंदी उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिनडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
5 हिंदी उपन्यास : अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली।
6 आधुनिक हिंदी उपन्यास : सृजन और आलोचना : चंद्रकांत वाजपेयी।
7 हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग : हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8 एक नजर कृष्णा सोबती पर : रोहिणी, अखिल भारती प्रकाशन, दिल्ली।
9 हिंदी उपन्यास के प्रतिमान : डॉ० शशिभूषण सिंहल, कला मंदिर, दिल्ली।
10 इतिवृत्त की संरचना और संरूप : डॉ० रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
11 आंचलिक उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ० ज्ञानचंद गुप्त, अभिनव प्रकाशन
12 शेखर : एक जीवनी विविध आयाम – सं. डॉ० रामकमल राय
13 ऐतिहासिक उपन्यास – देवीशंकर अवस्थी

निर्देश –

1 खंड क में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए खंड ग में निर्धारित आलोच्य विषयों में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कुल तीन दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 9 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 27 अंक का होगा।

2 खंड ग में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से तीन–तीन अवतरण संदर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रतयेक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

3 खंड ख में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

4 पूरा पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

रविन्द्र कुमार

AEC-105
Semester 1

Spoken English

Max Marks: 50

Theory: 35

Practical/ Internal: 15

Unit 1- Oral Skills

1.1 Reading with fluency and speed (Newspaper/ Magazines/ Short Stories/ Poem Recitation)

1.2 Pronunciation: a. Vowels and Consonants sounds

b. Stress in connected speech

c. Rhythm in connected speech

1.3 Vocabulary: a. Word Formation

b. Synonyms and Antonyms

c. One-word substitution

d. Words often confused

e. Idioms and Phrases

1.4 Sentence Construction, Types of Sentences

Unit 2- Grammar

2.1 Tenses: Types, Definition, Examples

2.2 Parts of Speech: a. Noun

b. Pronoun

c. Adjective

d. Verb

e. Adverb

f. Preposition

g. Conjunction

h. Interjection

2.3 Common errors in grammar

Unit 3 Social Conversation Skills

3.1 Introducing someone/ yourself

3.2 Dramatic Reenactment

3.3 Accepting and declining invitations

3.4 Telephonic conversation

3.5 Debate

3.6 Impromptu Personal Speech

3.7 Speech Acts

Paper Instructions: All questions are compulsory to attempt. Question no. 1 will carry 5 marks. Attempt one short note out of two.

Unit 1

This question will carry 10 marks.

Unit 2

This question will carry 10 marks.

Unit 3

This question will carry 10 marks.

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

Credit-02
Skill Enhancement course
(one from pool of course)

(SEC – 105)

हिंदी भाषा एवं तकनीकी Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

कौशल –I

पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित – 35

Course Objective –

विभिन्न प्रकार के पत्रों (सरकारी–अर्द्धसरकारी एवं व्यवहारिक पत्रों) का विश्लेषणात्मक एवं कौशलपरक ज्ञान।

जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय।

Course Learning outcomes :

पत्र लेखन तथा सरकारी तथा प्राइवेट कार्यालय में कार्य करने के अनुरूप कौशल प्रदान करना।

विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रोफाइल लेखन सम्बन्धी कौशल प्रदान करना।

खंड – क

- हिंदी टंकण एवं मुद्रण (Hindi Typing and Printing)
- कम्प्यूटर पर हिंदी टाइपिंग
- हिंदी टाइपिंग की विधियाँ
- हिंदी के की बोर्ड ले आउट

खंड – ख

- प्रूफ रीडिंग
- पठन एवं संशोधन
- प्रूफ रीडिंग का महत्त्व
- प्रूफ रीडिंग की आवश्यकता

खंड – ग

- कम्प्यूटर परिचय और महत्त्व
- कम्प्यूटर संरचनात्मक स्वरूप
- कम्प्यूटर और कोश निर्माण
- कम्प्यूटर में हिंदी वर्णमाला तथा वर्तनी के मानकीकरण की समस्या
- कम्प्यूटर में हिंदी की–बोर्ड (Keyboard) के विविध रूप

खंड – घ

- इण्टरनेट

- सोशल मीडिया
- पी.पी.टी. निर्माण (PPT Presentation)
- ई–मेल
- साइबर अपराध

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम में निर्धारिण प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा।

सम्बन्धित पुस्तकें –

1 कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एवं आपरेटिव गाइड – शशांक जौहरी, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।

2 कम्प्यूटर और हिंदी – हरिमोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दिल्ली।

3 कम्प्यूटर सिद्धान्त और तकनीक – राजेन्द्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली।

4 राजभाषा हिंदी – कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर

Credit-02
Value addition course
(one from pool of course)

(VAC – 107)

हिंदी काव्य : राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित – 35

Course Objective –
हिंदी साहित्य के राष्ट्रीय काव्यधारा का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना
विभिन्न राष्ट्रीय काव्यध्यारा के कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान
Course Learning outcomes :
हिंदी काव्यधारा में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का विशिष्ट ज्ञान
राष्ट्रीय काव्यधारा के विशिष्ट कवि और उनकी कविताओं की समझ विकसित होगी।

इकाई – I

- हिंदी राष्ट्रीय काव्य धारा का परिचय
- आधुनिक हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना
- हिंदी राष्ट्रीय काव्य धारा में व्यक्त नैतिक मूल्य
- आधुनिक सन्दर्भ में – भारतीय युवा एवं राष्ट्र

इकाई – II

क) मैथिलीशरण गुप्त –
- भारत माता का मन्दिर यह
- आर्य
- निवेदन
- नर हो न निराश करो मन को

ख) रामधारी सिंह दिनकर
- कलम आज उनकी जय बोल
- जनतंत्र का जन्म
- हिमालय
- दिल्ली

ग) माखनलाल चतुर्वेदी
- पुष्प की अभिलाषा
- कैदी और कोकिला

रविन्द्र कुमार

- सागर खड़ा बेडियाँ तोड़े
- सिपाही

घ) सुभद्रा कुमारी चौहान –

- जलियाँवाला बाग में बसत
- झाँसी की रानी
- वीरों का कैसा हो बसन्त
- स्वदेश के प्रति

पाठ्य पुस्तकें –

1 प्रतिनिधि कविताएँ – मैथिलीशरण गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2 प्रतिनिधि कविताएँ – रामधारी सिंह दिनकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3 प्रतिनिधि कविताएँ – माखनलाल चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4 प्रतिनिधि कविताएँ – सुभद्रा कुमार चौहान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

5 राष्ट्रीय काव्यधारा – सम्पादक डॉ० कन्हैया सिंह वाणी प्रकाशन, दिल्ली

निर्देश –

1 खंड क में निर्धारित प्रश्नों में कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंकों का होगा।

2 खंड ख में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से चार अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंको का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से विद्यार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रतयेक प्रश्न 2 अंकों का होगा। जबकि पूरा प्रश्न 8 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

INDIAN AND FOREIGN LANGUAGES

एम . ए. (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

	Title	Credits
1. Core Course		
CC201	आधुनिक हिंदी कविता-II	4
CC202	हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल).	4
CC203	भारतीय काव्यशास्त्र.	4
2. General Elective Course		
GEC204	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4
(One from pool of Course)	हिंदी भाषा और मीडिया	
3. Ability Enhancement Course.		
AEC205.	सामान्य अंग्रेज़ी संचार . II.	2
One from Pool of Course		
4. Skill Enhancement Course		
SEC206.	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल -II	2
One from pool of Course		
5. Value Addition Course		
VAC207.	हिंदी कथा साहित्य एवं सामाजिक मूल्य.	2
One from pool of course		
		22

मुकेश कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

आधुनिक हिंदी कविता – II

(Core – 201)
Credit - 04
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3.00 घण्टे

Course Objective --
आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान
आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप
Course Learning outcomes :
आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ
आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन।

पाठ्य विषय

इकाई – क

सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली
नागार्जुन : चन्दू, मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, तीन दिन तीन रात।
गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल गलती
रघुवीर सहाय : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लकड़ी, रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा।

इकाई – ख

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा
नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प
गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्ति बोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प
रघुवीर सहाय : स्वातन्त्र्योत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य

सहायक ग्रंथ

1 नागार्जुन का रचना संसार : सम्पा० विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक

मुकेश कुमारी

5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीर सहाय : सम्पादक विष्णुनागर और असद जैदी, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8 अज्ञेय कवि : डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
9 अज्ञेय की रचना संसार : सम्पादक गंगा प्रसाद विमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ० चन्द्रकांत बांदिवडेकर
11 अज्ञेय : कवि और काव्य : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
12 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष
13 अज्ञेय : सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ० विद्या निवास मिश्र
15 नागार्जुन की कविता : डॉ० अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
17 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
18 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंतः संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
21 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ० लल्लन राय मंथन पब्लिकेशंस, रोहतक।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ० कृष्ण भावुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा दिल्ली।

निर्देश –

1 इकाई क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए इकाई–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

मुन्नी कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

(Core – 202)
Credit - 04
Paper Code -

समय : 3.00 घण्टे

पूर्णांक 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

Course Objective –

हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

Course Learning outcomes :

इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी

हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई–I

- **आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास**
  परिवेश : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, साहित्यिक, 1857 ई० की राज्यक्रांति और पुनर्जागरण
- **भारतेंदु युग** : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- **द्विवेदी युग** : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- **छायावादी काव्य** : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

इकाई–II

- **उत्तर छायावादी काव्य** : प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृतियाँ
- प्रगतिवाद : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- प्रयोगवाद : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- नई कविता : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- नवगीत : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ
- समकालीन कविता : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएँ

इकाई–III

- **हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास**
  - कहानी
  - उपन्यास
  - नाटक
  - निबंध
  - संस्मरण
  - आत्मकथा
  - जीवनी

मुन्नी कुमारी

इकाई–IV

- **हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाली प्रमुख संस्थाएं –** नागरी प्रचारिणी सभा (वाराणसी), हिंदी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग), बिहार राष्ट्रभाषा परिषद (पटना), दक्षिण भारत प्रचार समिति (चेन्नई), केन्द्रीय हिंदी संस्थान (आगरा), केंन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद (दिल्ली), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (नई दिल्ली)
- **हिंदी की प्रमुख पत्रिकाएँ –** कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा, सुधा, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत, चाँद, हंस, धर्मयुग, हरिगंधा, तद्भव
- **हिंदी के प्रमुख आन्दोलन –** ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली आन्दोलन, खड़ी बोली आन्दोलन छायावादी आन्दोलन, छायावादोत्तर आन्दोलन, नई कविता आन्दोलन, नई कहानी आन्दोलन, हिंदी लेखन से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण आन्दोलन

पठनीय पुस्तकें

1 हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० रामकुमार वर्मा, रामनारायण लाल, बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
3 हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, अत्तर चंद कपूर एण्ड संस, दिल्ली।
5 हिंदी साहित्य का इतिहास : सम्पादक – डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6 हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7 मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन, अयोध्या, फैजाबाद।
8 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9 निर्गुण काव्य : प्रेरणा और प्रवृति, डॉ० रामसजन पाण्डेय, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
10 हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ० रामसजन पाण्डेय, संजय प्रकाशन, दिल्ली।
11 हिंदी साहित्येतिहास दर्शन की भूमिका : डॉ० हरमहेन्द्र सिंह बेदी, निर्मल पब्लिकेशंस, दिल्ली।
12 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चण्डीगढ़।
13 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
14 हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
15 आधुनिक हिंदी साहित्य : लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, हिंदी परिषद् इलाहाबाद युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
16 हिंदी साहित्य चिन्तन : सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, कला मन्दिर, नई सड़क, दिल्ली।
17 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : राम स्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

मुन्ना कुमारी

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। पत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

भारतीय काव्यशास्त्र

(Core – 203)
Credit – 04
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective -
भारतीय काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी।
कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।
Course Learning outcomes :
भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी अतीत और वर्तमान की कृतियों के बीच आलोचनात्मक सम्बन्ध निर्माण करती है।
भारतीय चिंतन परम्परा की समझ विकसित होगी।

इकाई–I

काव्य : स्वरूप और प्रकार

- काव्य : अर्थ, परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया
- काव्य – हेतु
- काव्य – प्रयोजन
- काव्य – भेद : महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य, चम्पूकाव्य

इकाई–II

रस–सिद्धान्त

- रस : परिभाषा और स्वरूप
- रस–निष्पत्ति
- साधारणीकरण
- सहृदय की अवधारणा

इकाई–III

- **अलंकार सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, अलंकार के भेद–उपभेद
- **रीति सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, रीति के भेद–उपभेद
- **ध्वनि सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, ध्वनि के भेद–उपभेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ, वक्रोक्ति के भेद–उपभेद
- **औचित्य सिद्धान्त :** स्वरूप तथा स्थापनाएँ

मुन्शी कुमारी

इकाई–IV

हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- डॉ० रामविलास शर्मा
- डॉ० नगेन्द्र

सहायक ग्रंथ

1 काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2 हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
3 भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली।
5 काव्य के रूप – गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली।
6 साहित्याचलोचन – श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग।
7 हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास– भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून।
8 आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।
9 प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया – हौसिला प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10 साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी।
11 साहित्य और अध्ययन – गुलाबराय, आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली।
12 हिंदी आलोचना का विकास – डॉ० सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ।
13 हिंदी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

<u>निर्देश –</u>

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

हिंदी साहित्य और सिनेमा

General Elective Course
(One from pool of course)

Credit – 04
(GEC – 204)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3:00 घण्टे

Course Objective –
हिंदी साहित्य और सिनेमा का विश्लेषणात्मक ज्ञान
हिंदी साहित्य और सिनेमा की प्रस्तुति माध्यमों का व्यवहारिक प्रयोग
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य और सिनेमा की सैद्धान्तिक समझ
सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता

इकाई – 1
सिनेमा का इतिहास

- भारत में सिनेमा का उद्भव और विकास
- मूक सिनेमा का दौर (1913–1931)
- हिंदी सिनेमा का आरंभिक युग (1931–1947)
- स्वतंत्रता के पश्चात् हिंदी सिनेमा (1947–1991)
- वैश्वीकरण के पश्चात् हिंदी सिनेमा (1991 से अबतक)

इकाई – 2
सिनेगा का स्वरूप और प्रवृत्तियाँ

- सिनेमा का स्वरूप
- सिनेमा के प्रकार (प्रयोगात्मक, कलात्मक एवं व्यवसायिक सिनेमा)
- सिनेमा और भारतीय समाज
- भारत में भाषाई सिनेमा
- दर्शक और स्क्रीन का सम्बन्ध

इकाई–3
भाषा, साहित्य और सिनेमा

- हिंदी साहित्य और सिनेमा का संबंध
- हिंदी भाषा के प्रसार में हिंदी सिनेमा का योगदान
- हिंदी सिनेमा में हिंदी की स्थिति
- हिंदी सिनेमा और भाषा के बदलते राजभाषायिक सन्दर्भ
- फिल्म समीक्षा : परिचय और प्रासंगिकता

मुकेश कुमारी

इकाई–4
साहित्यिक कृतियाँ और फिल्में –

1. पिंजर – (उपन्यास), लेखिका – अमृता प्रीतम, फिल्म – पिंजर, निर्देशक – चंद्रप्रकाश द्विवेदी
2. मारे गए गुलफाम उर्फ तीसरी कसम (कहानी), लेखक – फणीश्वर नाथ रेणु, फिल्म – तीसरी कसम, निर्देशक – बासुभट्टाचार्या
3. गुनाहों के देवता (उपन्यास) – लेखक – धर्मवीर भारती, फिल्म – गुनाहों का देवता, निर्देशक – कंवल शर्मा
4. यही सच है (कहानी) – लेखिका – मन्नू भण्डारी, फिल्म – रजनीगंधा, निर्देशक – बासुचटर्जी

आलोच्य विषय – वर्ण्य विषय, प्रमुख पात्र एवं चारित्रिक विशेषताएँ, उद्देश्य

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठयक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1. हिन्दी सिनेमा का इतिहास – संजीव श्रीवास्तव, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
2. लेखक का सिनेमा – कुंवर नारायण
3. पटकथा लेखन – मनोहर श्यामजोशी
4. Film Theory – An introduction through the success by Thomas Elsaepser and Malte Hangener
5. हिंदी सिनेमा सदी का सफर – अनिल भार्गव
6. साहित्य सिनेमा और समाज – पूरनचंद टण्डन, सुशील कुमार तिवारी
7. भारतीय सिनेमा का सफरनामा – सं. जयसिंह
8. समय सिनेमा और इतिहास – संजीव श्रीवास्तव
9. सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह
10. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र – पारख जवरीमल्ल
11. भूमण्डलीकरण और भारतीय सिनेमा – पारख जवरीमल्ल
12. हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष – दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत), भारतीय पुस्तक परिषद
13. हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास – दिलचस्प (नारायण सिंह राजावत) सामयिक प्रकाशन।

मुकेश कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

हिंदी भाषा और मीडिया

General Elective Course
(One from pool of course)

Credit – 04
(GEC – 204)
Paper Code -
पूर्णांक – 100
आंतरिक मूल्यांकन – 30
लिखित – 70

समय : 3.00 घण्टे

Course Objective –
हिंदी भाषा और मीडिया का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
हिंदी मीडिया संरचना और कार्यों की समझ।
Course Learning outcomes :
मीडिया के कार्य, क्षेत्र तथा वैश्विक प्रभावों की समझ विकसित करना।
हिंदी भाषा और मीडिया के अंतः सम्बन्धों पर प्रकाश डालना।

इकाई–I
भाषा, संचार और समाज

- भाषा और समाज
- भाषा और संचार
- हिंदी भाषाई समाज का स्वरूप और क्षेत्र
- सामाजिक सन्दर्भ और भाषा वैविध्य

इकाई–II
जनसंचार एवं विभिन्न माध्यम (मीडिया)

- जनसंचार एवं मीडिया : स्वरूप और महत्त्व
- मीडिया के प्रकार (प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया)
- मीडिया लेखन : अवधारणा एवं प्रकार
- हिंदी के प्रमुख समाचार–पत्र

इकाई–III
इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया में हिंदी

- प्रमुख हिंदी चैनल
- आकाशवाणी, निजी एफ एम रेडियो और हिंदी
- इलैक्ट्रोनिक एवं डिजिटल मीडिया और हिंदी भाषा
- इलैक्ट्रोनिक एवं डिजिटल मीडिया और हिंदी की चुनौतियाँ

इकाई–IV
मीडिया के भाषाई सरोकार और हिंदी

- हिन्दी मीडिया और वैश्विकरण
- मीडिया में हिंदी और भाषाई शुद्धता

मुन्ना कुमारी

- मीडिया में रोजगार और हिंदी
- हिंदी मीडिया और तकनीकी प्रयोग

सहायक पुस्तकें –

1 हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
2 हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाश चंद्र भाटिया
3 हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
4 हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5 मीडिया का अंडरवर्ल्ड : दिलीप मंडल
6 इलेक्ट्रानिक मीडिया – अजय कुमार सिंह
7 भारत में जनसंचार और प्रसारण मीड़िया – मधुकर लेले
8 न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और सम्भवनाएं – आर० अनुराधा
9 संस्कृति विकास और संचार क्रांति – पी० सी० जोशी
10 मीडिया की बदलती भाषा – अजय कुमार सिंह
11 जनमाध्यम सैद्धान्तिकी – सुधा सिंह
12 सूचना का अधिकार – विष्णु राजगढ़िया, अरविंद केजरीवाल
13 लोक आख्यान परम्परा और परिदृश्य – श्याम सुन्दर दूबे।
14 भाषाई अस्मिता और हिन्दी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

निर्देश –

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएगें। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।
2 पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।
3 पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

AEC-205
Semester 2

Language and Communication

Max Marks: 50

Theory: 35

Practical/ Internal: 15

Unit 1 Oral Communication

1.1 Mock Interview/ Interview Skills

1.2 Group Discussion

1.3 Public Speaking

1.4 Presentation Skills

Unit 2 Written Communication

2.1 CV Writing

2.2 Formal Letter/ Job Application/ Cover Letter

2.3 Article Writing

2.4 Note Making

Unit 3 Business Communication

3.1 Preparing Agenda and Minutes for meeting

3.2 Writing Notices and Memos

3.3 Drafting an E-mail, Press Release

3.4 Correspondence with Govt./ Authorities, Office Orders, Enquiries and Replies

मुकेश कुमारी

Paper Instructions: All questions are compulsory to attempt. Question no. 1 will carry 5 marks Attempt one short note out of two

Unit 1

This question will carry 15 marks

Unit 2

This question will carry 15 marks.

Unit 3

This question will carry 10 marks

मुकेश कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)
हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल – II

Skill Enhancement course
(one from pool of course)

Credit 02
(SEC 206)

समय : 3:00 घण्टे

Paper Code -
पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित – 35

Course Objective –
विभिन्न प्रकार के पत्रों (सरकारी–अर्द्धसरकारी एवं व्यवहारिक पत्रों) का विश्लेषणात्मक एवं कौशलपरक ज्ञान।
जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय।
Course Learning outcomes :
पत्र लेखन तथा सरकारी तथा प्राइवेट कार्यालय में कार्य करने के अनुरूप कौशल प्रदान करना।
अनुवाद तथा विज्ञापन के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन प्रदान करना।

इकाई – I

- संक्षेपण
- पल्लवन
- टिप्पण
- प्रारूप (मसौदा लेखन)
- प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लेखन

इकाई–II

- कार्यालय आदेश
- कार्यालय ज्ञापन
- आधेसूचना एवं संकल्प
- सरकारी पत्र
- अर्द्ध सरकारी पत्र
- व्यवसायिक पत्र
- निमंत्रण पत्र
- बधाई पत्र

इकाई – III

- विज्ञापन का अर्थ और परिभाषा
- विज्ञापन के प्रकार (मुद्रित, रेडियो एवं टेलीविजन)
- विज्ञापन का वर्गीकरण (निश्चित पाठक – श्रोता – दर्शक वर्ग, भौगोलिक क्षेत्र, प्रयुक्त विज्ञापन माध्यम)

मुकेश कुमारी

- विज्ञापन में रचनात्मक प्रतिलेखन –
  (क) प्रभावी प्रतिलेखन की विशेषताएँ
  (ख) मुद्रित विज्ञापनों के लिए प्रतिलेखन
  (ग) रेडियों विज्ञापनों के लिए प्रतिलेखन
  (घ) टेलीविजन विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट लेखन

इकाई – IV

- अनुवाद : परिभाषा अर्थ एवं स्वरूप
- अनुवाद का महत्व एवं प्रासंगिकता
- अनुवाद के प्रकार
- अनुवाद के क्षेत्र
- अनुवाद की समस्या और चुनौतियाँ

सहायक पुस्तकें –

1. राजभाषा हिंदी – कैलाश चंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी, -- महेश चंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. व्यवहारिक हिंदी और स्वरूप – वाणी प्रकाशन हिंदी, नई दिल्ली
4. व्यवहारिक पत्र–लेखन कला – डॉ० डी.एस.पोखरिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी – डॉ० कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. व्यावसायिक हिंदी – डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली।
7. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता, प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर
8. पत्रकार कला, विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी प्रकाशन, कानपुर
9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रविधि – किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण – प्रो० हरि मोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
11. अनुवाद अध्ययन का परिदृश्य देवीशंकर नवीन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली
12 Advertising – Jaishri J. Jethwaney (Phenix Publishing, New Delhi, 1999)
13 Creative advertising – David Bernstain (UK – Longman, 1974)

निर्देश –

1 पाठ्यक्रम में निर्धारिण प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की अधिकतम संख्या चार होगी। जिमनें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम० ए० (हिंदी) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)
हिंदी कथा साहित्य एवं सामाजिक मूल्य

Credit 02
(VAC – 207)

Value Addition course
(one from pool of course)

Paper Code -

समय : 3:00 घण्टे

पूर्णांक – 50
आंतरिक मूल्यांकन – 15
लिखित – 35

Course Objective –
हिंदी कथा साहित्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
सामाजिक मूल्यों पर आधारित हिंदी कथा साहित्य का अध्ययन।
Course Learning outcomes :
हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का विशिष्ट ज्ञान।
प्रमुख हिंदी कहानियों के सामाजिक मूल्यों के विविध पक्ष का उद्घाटन।

इकाई–I

- साहित्य और समाज का अंतः सम्बन्ध
- बदलता समाज मनोविज्ञान और हिन्दी कहानियाँ
- समसामयिक हिंदी कथा साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक मूल्य
- कथा साहित्य के बदलते वैश्विक सन्दर्भ
- वर्तमान हिंदी कथा साहित्य में सामाजिक मूल्य – चुनौतियाँ और समाधान

इकाई – II

कथा साहित्य

1. बड़े घर की बेटी – प्रेमचंद
2. परदा – यशपाल
3. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
4. मलबे का मालिक – मोहन राकेश
5. पीफ की दावत – भीष्म साहनी
6. जिंदगी और जोंक – अमरकान्त
7. जिनावर – चित्रा मुद्गल
8. वापसी – उषा प्रियवंदा
9. जहाँ लक्ष्मी कैद है – राजेन्द्र यादव
10. एक और विवाह – मृदुला गर्ग

मुकेश कुमारी

निर्देश –

1 इकाई I में निर्धारित प्रश्नों में से कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को जिसमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंकों का होगा।

2 इकाई II में निर्धारित कहानियों में से 4 अवतरण व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं 2 अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई छः लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिमनें से विद्यार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1–1 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 7 अंकों का होगा।

सहायक पुस्तकें –

1. आज की हिन्दी कहानी – विजयमोहन, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक हिंदी कहानी – गंगा प्रसाद विमल, भारत मृदणालय, दिल्ली
3. कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन – इलाहाबाद
4. स्वातंत्रोत्तर हिंदी कहानी में सामाजिक परिवर्तन – डॉ० भैरूलाल गर्ग
5. हिंदी कहानी अपनी जुबानी – डॉ० इन्द्रनाथ मदान चित्रलेखा प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. उषा प्रियवंदा की कहानियों में छूटते जीवन मूल्यों का यथार्थ चित्रण, अविनाश महाजन, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
7. मानव मूल्य और साहित्य – डॉ० धर्मवीर भारती
8. नागार्जुन के कथा साहित्य में जीवन मूल्य – डॉ० सरिता वर्मा
9. हिंदी कथा साहित्य विचार और विमर्श – चचंल चौहान
10. हिंदी की श्रेष्ठ 21 कहानियाँ – सम्पादक जैनेन्द्र
11. हिंदी कथा साहित्य में पाश्चात्य प्रभाव – कृष्ण बिहारी पाण्डेय

मुकेश कुमारी